

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वक्रवर्धनकमलवहिरुज्ज्वलिनयुग्मद्विन्दनरुद्रगणध्वजसप्तार्चविव ॥ ६ ॥
नमामि श्री लीलासेनयममध्वजा ॥ ७ ॥ वामदेवपद्मनाभसप्तार्चविव
निश्चय्यतिष्ठेत्ताकमवसन्द्रीढवी ॥ ८ ॥ कृष्णवदनद्वयकासिकाः
सहिताश्चार्थवारापनवायसमंगवा ॥ ९ ॥ नमस्तौ वरुणनयसाधसिद्धि
यश्च गगनमनावांछाष्टिद्वन्द्वद्विन्दन ॥ १० ॥ गगनगुर्वचनवचनपुसा
द्वसिद्धिश्चावगुतावनपुसाधसिद्धिमिम ॥ ११ ॥ पदमाचार्यगीतवक्ता

उक्तं च पुनरु विविधिवत्तनसंपूर्णं ॥ २२ ॥ उपधीयता उपधीयता उपधीयता ॥ ५ ॥
 अत्र तन पृथक् तन अत्र तन की वनता ॥ २३ ॥ अत्र तन मधिवतन चक्रवर्तना
 वा सर्वनिधानसंपूर्ण ॥ ५ ॥ २४ ॥ वागपद्मसि ॥ गावजसि ॥ अनित्यजनसङ्ग
 नशास्त्रमात्र मेवम ॥ तत्र चक्रवाया ॥ २५ ॥ पञ्च तन सत्रासत्यवा यविह तिरुन
 वाया ॥ २६ ॥ मावगवयीया ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

अत्र नरुगसर्वदव वज्रपुत्रादिग भवन्ति वयनसंताप ॥ ५ ॥ गिरुवनपुत्र
 कवायतनाठा श्रीनिपुत्रा उक्तविना ॥ २१ ॥ निरुवननचनाट पसा विप्र रुतिगव
 उक्तावावा ॥ ५ ॥ अहिनीगिगतपुत्रवावकुवाग छादिगवरावअताव
 नानुव ॥ २२ ॥ वधनमावय रायमावगगगसंताव ॥ ५ ॥ २३ ॥ वागहववी ॥ २४ ॥
 इतिमान ॥ कलभार्चनविधिपंचायसावा पञ्चयासिगदवगना ॥ २५ ॥ विधिउपसाव
 नृत्तगीतवव उमवय ॥ २६ ॥ धनिसर्मगवा ॥ २७ ॥ वज्रागुगादकमउकिनी ॥ २८ ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

卷之六

ASHA ARCHIVES 3796